

अध्याय - 10 | आंतरिक व्यापार

QUIZ PART-03

1. जी.एस.टी. भारत में कब लागू किया गया था?
- 1 अप्रैल 2006
 - 1 मार्च 2007
 - 1 जुलाई 2017
 - 1 जून 2013
- (C)

व्याख्या: जी.एस.टी. को 1 जुलाई 2017 को "एक देश एक कर" सिद्धांत पर लागू किया गया।

2. जी.एस.टी. किस प्रकार का कर है?
- प्रत्यक्ष कर
 - गंतव्य आधारित अप्रत्यक्ष कर
 - केवल राज्य कर
 - केवल केंद्र कर
- (B)

व्याख्या: यह गंतव्य आधारित उपभोग कर है, जहां कर का लाभ उस राज्य को मिलता है जहां उपभोग होता है।

3. जी.एस.टी. ने कितने अप्रत्यक्ष करों व उपकरों को प्रतिस्थापित किया?
- 10 अप्रत्यक्ष कर और 10 उपकर
 - 22 अप्रत्यक्ष कर और 10 उपकर
 - 17 अप्रत्यक्ष कर और 23 उपकर
 - 5 अप्रत्यक्ष कर और 2 उपकर
- (C)

व्याख्या: जी.एस.टी. ने केंद्र व राज्य के 17 अप्रत्यक्ष कर तथा 23 उपकर समाप्त किए।

4. जी.एस.टी. की कितनी मुख्य कर दरें निर्धारित की गई हैं?
- 2
 - 4
 - 8
 - 5
- (B)

व्याख्या: चार प्रमुख स्लैब हैं—5%, 12%, 18% और 28%।

5. CGST और SGST किस पर लागू होते हैं?
- केवल आयात पर
 - केवल नियति पर
 - राज्य के अंदर वस्तुओं व सेवाओं की आपूर्ति पर
 - अंतरराज्यीय आपूर्ति पर
- (C)

व्याख्या: एक ही राज्य के भीतर माल व सेवाओं की आपूर्ति पर CGST + SGST लागू होते हैं।

6. अंतरराज्यीय आपूर्ति पर कौन-सा कर लागू होता है?
- SGST
 - CGST
 - IGST
 - कोई कर नहीं
- (C)

व्याख्या: अंतरराज्यीय वस्तुओं एवं सेवाओं की आपूर्ति पर IGST लगाया जाता है।

7. जी.एस.टी. परिषद का अध्यक्ष कौन होता है?
- राज्य के वित्त मंत्री
 - प्रधानमंत्री
 - केंद्रीय वित्त मंत्री
 - मुख्यमंत्री
- (C)

व्याख्या: जी.एस.टी. परिषद का अध्यक्ष केंद्रीय वित्त मंत्री होता है।

8. जी.एस.टी. परिषद में निर्णय लेने के लिए कितना बहुमत आवश्यक है?
- 50%
 - 60%
 - 75%
 - 90%
- (C)

व्याख्या: परिषद में निर्णय 75% बहुमत से लिए जाते हैं।

9. जी.एस.टी. के अंतर्गत कर भुगतान किस माध्यम से किया जा सकता है?
- केवल नकद
 - केवल चेक
 - डेबिट/क्रेडिट कार्ड, इंटरनेट बैंकिंग, NEFT/RTGS
 - डाक द्वारा
- (C)

व्याख्या: इन तीनों माध्यमों से कर भुगतान की सुविधा है।

10. जी.एस.टी. से उपभोक्ताओं को कौन-सा लाभ मिलता है?
- चुनाव का कम अवसर
 - वस्तुओं व सेवाओं की एकरूप कीमतें
 - बेरोजगारी में वृद्धि
 - कर-भार में बढ़ोतरी
- (B)

व्याख्या: जी.एस.टी. से पूरे देश में एक समान बाजार बनता है, जिससे उपभोक्ताओं को अधिक विकल्प और पारदर्शिता मिलती है।